(ड.) भारतीय प्रसारण सेवा के कार्य निष्पादन में सुधार करने के लिए सरकार द्वारा क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्यमंत्री (श्री के.पी. सिंह देव) : (क) और (ख) भारतीय प्रसारण के निष्पादन का आकलन निम्नलिखित से किया जा सकता हैः-

(1) आकाशवाणी और दूरदर्शन द्वारा अर्जित वाणिज्यिक राजस्व में वर्ष 1992-93 में 58.91/360.23 करोड़ रूपये से वर्ष 1994-95 तक 64.37/398.02 करोड़ रूपये की नियमित वृद्वि और

(2) विदेशी उपग्रह चैनलों की कार्यक्रम सूची में दिखायी गयी भारतीय कार्यक्रमों की बढ़ती मात्रा।

(ग) नमूना सर्वेक्षण आवधिक रूप से किए जाते हैं।

(घ) जी, नहीं।

(ड.) आकाशवाणी अपने श्रोताओं के व्यापक जन समूह को विविध आवश्यकताओं को पूरा करने के उद्देश्य से अपने कार्यक्रमों में गुणात्मक सुधार लाने के लिए सतत आधार पर प्रयास करता हैं।

दूरदर्शन धारावाहिकों के प्रसारण समय में परिवर्तन के कारण राजस्व में कमी

991. **श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला** : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पिछले तीन वर्षो के दौरान दूरदर्शन की वाणिज्यिक सेवाओं और दूरदर्शन पर दिखाए गए पांच अत्यधिक लोकप्रिय धारावाहिकों के माध्यम से जितना राजस्व अर्जित किए जाने का अनुमान था और उक्त अवधि के दौरान वास्तव में कितना राजस्व अर्जित किया गया हैं;

(ख) क्या कुछ धारावाहिकों के प्रसारण समय मे किये गये परिवर्तनों के कारण राजस्व में कमी आयी हैं;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार अपने पूर्व समय सारणी के अनुसार इन धारावाहिकों दिखाने पर विचार कर रही हैं; और

(ड.) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं?

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री के.पी. सिंह देव) : (क) दूरदर्शन राजस्व का कोई कार्यक्रमवार वार्षिक अनुमान तैयार नहीं करता हैं। पिछले तीन वर्षो के दौरान अनुमानित/वास्तविक सकल राजस्व सम्बन्धित ब्यौरा निम्न प्रकार से हैंः-

वर्ष	अनुमानित (करोड़ो में)	वास्ताविक (करोड़ो में)
1992-93	360 रूपए	360.23 रूपया
1993-94	380 रूपए	372.98 रूपया
1994-95	380 रूपए	398.02 रूपया

(ख) और (ग) 2 जून, 1995 से प्रभावी पुन संरचित कार्यक्रम प्रारूप के वित्तीय प्रभाव का फिलहाल पूर्वानुमान लगाना समय-पूर्व होगा।

(घ) और (ड.) वर्तमान में ऐसा कोई प्रस्ताव नहीं हैं क्योंकि नए स्लॉटों में इन धारावाहिकों के दर्शकों की संख्या में वृद्वि हो रही हैं।

सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क विभाग द्वारा मारे गये छापे

992. **चौधरी हरमोहन सिंह** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः-

(क) पिछले दो वर्षो के दौरान सीमा शुल्क और उत्पाद शुल्क विभागों द्वारा कार्यालय-वार कितने छापे मारे गये हैं और कार्यालय-वार कितने मूल्य के कर अपवंचन के मामलों का पता लगाया गया हैं; और

(ख) सरकार ने 30 जून, 1995 तक उन पर क्या कार्यवाही की हैं?

वित्त मंत्री (श्री मनमोहन सिंह) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही हैं और सभा पटल पर रख दी जायेगी।

Equity Portfolio of IFCI

903. SHRI V. HANUMANTHA RAO: Will the Minister of FINANCE b pleased to state:

(a) what steps are proposed to examin the equity portfolio of, Industrial Finance Corporation of India